MPI-C102 द्वितीय पत्र– पाश्चात्त्य ज्ञान मीमांसा

समयः 3.00 घण्टे
पूर्णांक : 70+30 = 100

प्रथम इकाई - ज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, विश्वास और ज्ञान, ज्ञान की सम्भाव्यता, सन्देहवाद।

द्वितीय इकाई - ज्ञान का औचित्य : दावा और ज्ञानमीमांसीय निर्णय । स्थापनावाद, संसक्ततावाद, विश्वसनीयता (आस्थावाद)।

तृतीय इकाई - प्रत्यक्ष के सिद्धान्त, स्मृति की समस्या, भूतकाल का ज्ञान, कारणता सिद्धान्त, ।

चतुर्थ इकाई - सत्य के सिद्धान्त : स्वतःप्रामाण्य, संवादिता सिद्धान्त, संसक्तता सिद्धान्त, व्यावहारिक और

शास्त्रीय (सांकेतिक) सिद्धान्त, अर्थ और सन्दर्भ।

पंचम इकाई - अनुभव–पूर्व ज्ञान : विश्लेषणात्मक, संश्लेषणात्मक, आवश्यक और आकस्मिक, (संभाव्य, अनिश्चित) ज्ञान की सीमाएँ।

Paper – II : WESTERN EPISTEMOLOGY

UNIT – I Definition and Nature of Knowledge, Belief and knowledge, Possibility of knowledge, Scepticism.

UNIT – II Justification of knowledge: claim and epistemic decision, Foundationalism, Coherentism, Reliabilism.

UNIT – III Theories of perception, Problem of memory, Knowledge of the past, Causal theory.

UNIT – IV Theories of Truth: Self-evidence Theory, Correspondence theory, Coherence theory, Pragmatic and Semantic theory, Meaning and Reference.

03.

UNIT – V A priori knowledge: Analytic and Synthetic, Necessary and contingent, Limits of knowledge.

संदर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. दार्शनिक विश्लेषण परिचय – जॉन हास्पर्स
2. ज्ञानमीमांसा की समस्याएं – डॉ0 एच0एन0मिश्र
3. शुद्ध बुद्धि मीमांसा – ई0 काण्ट
4. मनन (मेडीटेशन का हिन्दी अनुवाद) – डेकार्टे
5. समकालीन पाश्चात्य दर्शन– बी0 के0 लाल
6. The Problem of Knowledge – A.J.Ayer
7. Human Knowledge – B. Russell
8. Doubt Belief and Knowledge – S. Bhattacharya
9- Induction Probability and Sclepticism – D.P.chattopadhyaya
10. Theory of Knowledge - Woozley